सूरदास की भक्ति में वात्सल्य भाव किस प्रकार दिखाई देता है? उदाहरण देकर लिखिए।

4. बिहारी के काव्य को "गागर में सागर" क्यों कहा गया है? (12)

अथवा

घनानंद की भाषा और शैली को संक्षेप में लिखिए।

5. पंत की कविता में मनुष्य और प्रकृति का संबंध कैसे दिखाया गया है? (12)

अथवा

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कविता हमें जीवन या समाज के बारे में क्या संदेश देती है?

6. नीचे दिए गए किसी **तीन** विषयों पर टिप्पणी लिखिए : (3×6=18)

(क) आदिकाल

(ख) रीतिबद्ध काव्य

(ग) सगुण भक्ति

(घ) सूरदास

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 12902 **K**

Unique Paper Code : 2055201003

Name of the Paper : Hindi Bhasha Aur Sahitya (C) GE

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (3×8=24)

(क) भली भई जु गुर मिल्या, नहीं वर होती हांणि।
दीपक दिष्टि पतंग ज्यूँ पड़ता पूरी जाणि।।
चेतनि चौकी बैसि करि, सतगुर दीन्हां धीर।
निरभै होइ निसंक भजि, केवल कहे कबीर।।

SRI AUROBINDO COLLEGE तमसो मा ज्योतिर्गमय UNIVERSITY OF DELHI

अथवा

उधो, मन न भए दस बीस।
एक हुतो सो गयाँ स्याम संग, को अवराधै ईसघ
सिथिल भई सवरही माधौं बिनु जथा देह विनु सीस। ,
स्वासा अटकि रही आसा लगि, जीवहिं कोटि बरीस घ
तुम तौ सखा स्यामसुन्दर के सकल जोग के ईस।
सूरदास, रसिकन की बतियां पुरवाँ मन जगदीस घ

(ख) मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाई परै, स्यामु हरित-दुति होइ।।
कहत नटत रीझत खिझत मिलत खिलत लजियात।
भरे भन मैं करत हैं नैननु ही सब बात।।

अथवा

रावरे रूप की रीति अनूप, नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अघानि कहूँ नहिं आनि तिहारियै।।
एक ही जीव हुतौ सु तौ वार्यौ, सुजान, संकोच औ सोच सहारियै।
रोकौ रहै न, दहै घनआनंद बावरी रीझि के हाथन हारियै।।

(ग) यह धरती कितना देती है! धरती माता
कितना देती है अपने प्यारे पुत्रों को!
नही समझ पाया था मैं उसके महत्व को,-
बचपन में छि: स्वार्थ लोभ वश पैसे बोकर!

रत्न प्रसविनी है वसुधा, अब समझ सका हूँ।
इसमें सच्ची समता के दाने बोने है;
इसमें जन की क्षमता का दाने बोने है,
इसमें मानव-ममता के दाने बोने है,

अथवा

शेष जो भी हैं-वक्ष खोले डोलती अमराइयाँ;
गर्व से आकाश थामे खड़े
ताड़ के ये पेड़,
हिलती क्षितिज की झालरें;
झूमती हर डाल पर बैठी
फलों से मारती
खिलखिलाती शोख़ अल्हड़ हवा;
गायक-मण्डली-से थिरकते आते गगन में मेघ,

2. हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय दीजिए। (12)

अथवा

भक्तिकाल को हिंदी साहित्य का स्वर्णकाल क्यों माना जाता है?

3. कबीर ने अपनी वाणी में किन सामाजिक बुराइयों का विरोध किया है? विस्तार से लिखिए। (12)

अथवा

SRI AUROBINDO COLLEGE UNIVERSITY OF DELHI तमसो मा ज्योतिर्गमय